ISSN-2249-2852

JOURNAL OF INTEGRATED DEVELOPMENT AND RESEARCH

(A Peer Reviewd Journal of Geography and Interdisciplinary Subjects)

Volume 11, No. 1+2 June+Dec.-2021

Editor

Dr. Ganesh Kumar Pathak
Principal & Head, Deptt. of Geography (Rtd.)
Amarnath Mishra P.G. College, Dubeychhapara, Ballia, U.P.
Former Director (Academic) Jan Nayak Chandra Shekhar University Ballia, U.P.
Contact No. +91-9452-10-5458, E-mail - drgkpathakgeo@gmail.com

SAMAGRA VIKASH EVAM SHODH SANSTHAN
Sriram Bihar Colony,
Ballia- 277001, U.P., India

Scanned with OKEN Scanner

Journal of Integrated Development And Research
Vol. 11, No.1+2, June+Dec.-2021
ISSN-2249-2852

S.No.	Contents	Pages
1-	The Impact of HRM Practices on Job Satisfaction and Organistion Performance in BPO Sector : An Analytical Approach — **Vaishali Singh**	1-6
2-	Level of Social Well Being in Central Uttar Pradesh : A Geographical Analysis — **Dr. Mohd Haroon**	7-11
3-	आत्मनिर्भर भारत अभियान एवं क्षेत्रीय सम्भावनाएँ — डॉ0 गणेश कुमार पाठक	12-18
4-	राजनांदगाँव जिला (छत्तीशगढ़) में कृषि जोत का आकार एवं फसल प्रतिरूप — डॉ0 घनश्याम नागे	19-23
5-	ऊपरी केन बेसिन में अपवाह घनत्व का क्षेत्रीय विश्लेषण — डॉ0 ललित कुमार दुबे	24-28
6-	पर्यावरण प्रदूषण : कारण और उपाय — मनीष खत्री	29-32
7-	कोविड–19 : बेरोजगारी की समस्यायें एवं समाधान — डॉ0 अकालू प्रसाद चौरसिया	33-36
8-	निर्वाचन के प्रति मतदाताओं के ज्ञान एवं दृष्टिकोण का विश्लेषण सरगुजा संभाग (छत्तीशगढ़) के विशेष संदर्भ में — डॉ0 अनिल कुमार सिन्हा	37-43
9-	कोविड–19 का वैश्विकरण पर प्रभाव — डॉ0 अकालू प्रसाद चौरसिया	44-46
10-	नगरीकरण की प्रवृत्ति : अवध परिक्षेत्र का एक भौगोलिक अध्ययन — बृजेश कुमार द्विवेदी	47-55
11-	नदियों को पर्यावरणीय अवनयन से मुक्त कराने हेतु किये गये सरकारी प्रयास एवं सुझाव : गंगा नदी का एक शैक्षिक अध्ययन — डॉ0 आसिफ कमाल	56-61
12-	जनसंख्या प्रतिरूप : सरयूपार मैदान का एक भौगोलिक अध्ययन — देवनारायण भारती	62-68
13-	मऊ जनपद में जनसंख्या घनत्व की प्रकारात्मकता– एक भौगोलिक अध्ययन — डा0 मोहम्मद इस्लाम	69-75
14-	नगरीय केन्द्रों में कोटि आकार सम्बन्ध : आजमगढ़ जनपद का एक भौगोलिक विश्लेषण — राजू कुमार यादव	76-84
15-	योजना काल में भारत में कुटीर उद्योगों की विकास की प्रवृत्ति एवं स्थिति : एक विश्लेषण — सुनील कुमार मंडल	85-89
16-	पुस्तक समीक्षा	90-91

Scanned with OKEN Scanner

Journal of Integrated Development And Research
Vol.11, No.1 (June- 2021)
ISSN-2249-2852

निर्वाचन के प्रति मतदाताओं के ज्ञान एवं दृष्टिकोण का विश्लेषण सरगुजा संभाग (छत्तीशगढ़) के विशेष संदर्भ में

● डॉ. अनिल कुमार सिन्हा

सारांश-

जनजातीय बहुला सरगुजा संभाग में निर्वाचन के प्रति मतदाताओं के ज्ञान एवं दृष्टिकोण के संदर्भ में परिपक्व विचार देखने को मिल रहें है। इस क्षेत्र में मतदान प्रतिशत अधिक रहा है। निर्वाचन से संबंधित प्रत्येक पक्ष पर किए गए सर्वेक्षण से यह तथ्य सामने आया है कि यहाँ मतदाता लोकतंत्र के प्रति सजग एवं निर्वाचन के प्रति जागरूक है।

संक्षेप शब्द- वयस्क मताधिकार, स्थानिक विश्लेषण, निर्वाचन, वीवीपैट, नोटा, ई.व्ही.एम.

प्रस्तावना-

राजनीति एक सत्ता केन्द्रित प्रक्रिया है। अतः इसमें सक्रिय समूहों का अंतिम लक्ष्य महत्वपूर्ण उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु सत्ता प्राप्त करना है। इस हेतु प्रायः सर्वत्र लोकतांत्रिक मतदान के आधार पर ही देश की सत्ता का अधिकार प्राप्त किया जाता है। आधुनिक राजनीति एक लोकतांत्रिक प्रक्रिया है, अतः सत्ता प्राप्ति का एक मात्र रास्ता निर्वाचन प्रक्रिया के माध्यम से विजयी होना है। परिणाम स्वरूप पिछले दशकों में राजनीतिक अध्ययन की सभी शाखाओं में निर्वाचन परिणामों का विश्लेषण, अध्ययन एवं अनुशीलन महत्वपूर्ण विषय बन गया है। वास्तव में निर्वाचन का भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में विश्लेषण के मुख्य तथ्य के रूप में क्षेत्र की राजनैतिक रूझान, स्थानीय भौगोलिक परिवेश के बीच कार्यकारण संबंध तथा मतदान को प्रभावित करने वाले तत्वों के विश्लेषण को केन्द्रीय विषय के रूप में आधार माना जाता रहा है। वैश्विक स्तर भूगोल में निर्वाचन अध्ययनों का प्रारंभ फ्रांस के भूगोलविद् एण्ड्रे सीगफ्रीड (1913) से मानी जाती है। तत्पश्चात् एफ.गोग्युल (1951) एवं जी. किश (1953) ने निर्वाचन का भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में अध्ययन किया।

भारत में **के.जेड. अमानी** (1970) ने हरियाणा राज्य के चुनाव परिणामों पर अपना अध्ययन प्रस्तुत किया। **आर.डी.दीक्षित एवं जे.सी. शर्मा** (1981) ने पंजाब राज्य में कांग्रेस पार्टी के वर्ष 1951 से 1977 तक निर्वाचन प्रवृत्तियों का विश्लेषण किया। **सुदीप्त अधिकारी** (2011) के भी निर्वाचन संबंधी भौगोलिक विश्लेषण अत्यंत महत्वपूर्ण है।

लोकप्रिय सरकार जनता के चयन के प्रमण के रूप में संविधान के अंतर्गत कार्य करने हेतु जनता द्वारा प्राधिकृत होती है। लोकतंत्र जनता के मत की महत्ता से संचालित होता है, और मत कीसी नागरिक के द्वारा उसके चयन की अभिव्यक्ति का प्रतीक है। वस्तुतः मत देने का अधिकार अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के संव्यवहार का एक माध्यम है।

भारतीय संविधान द्वारा व्यस्क मताधिकार अपनाया गया है, जिसका उल्लेख संविधान के अनुच्छेद 326 में स्पष्ट रूप से किया गया है। इस अनुच्छेद के तहत यह व्यवस्था की गयी है कि कोई भी भारतीय नागरिक, जो 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुका है, मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के लिए अर्ह है। ऐसा व्यक्ति जिसका नाम मतदाता सूची में दर्ज नही हैं, निर्वाचन में मतदान के माध्यम से अपनी सरकार चुनने का वैधानिक अधिकार नहीं रखता है। अतः कोई भी व्यक्ति शासन सत्ता में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करना चाहता है, तो उसे मतदाता सूची में मतदाता के रूप में अपना नाम दर्ज कराना अनिवार्य शर्त है।

(1) अध्ययन क्षेत्र

सरगुजा संभाग छत्तीशगढ़ राज्य के सूदूर उत्तर में विस्तृत है जिसकी भौगोलिक सीमाओं में 05 जिले यथा सरगुजा, बलरामपुर, सूरजपुर, कोरिया तथा जशपुर है। क्षेत्रफल के दृष्टिकोण से सरगुजा संभाग 28469.51 वर्ग कि.मी. का क्षेत्र धारित करता है जो छ.ग. राज्य के कुल क्षेत्र का 21.06 प्रतिशत है जबकि संभाग की कुल जनसंख्या 2011 की जनगणना के अनुसार 38,72,592 है। जनसंख्या के दृष्टिकोण से सरगुजा संभाग में राज्य की कुल जनसंख्या का 15.15 प्रतिशत व्यक्ति निवास करते है। सरगुजा संभाग में औसत साक्षरता की दर 63.70 प्रतिशत है जबकि ग्रामीण क्षेत्र में साक्षरता मात्र 26.21 प्रतिशत ही पायी जाती है। साक्षरता दर महिला एवं पुरूषों में भी अलग–अलग पायी जाती है। संभाग के ग्रामीण क्षेत्र की महिलओं में मात्र 50.81 ही साक्षरता दर पायी जाती है।

संभाग के पांचों जिलो की 50 प्रतिशत से अधिक आबादी अनु. जनजाति एवं अनु. जातियों की है। सरगुजा संभाग के राजस्व जिलों में लिंगानुपात की दरों में विषमताएं है। इस मामले में जशपुर जिले में जहां 1000 पुरूषों पर 1005 महिलाएं है, वहीं बलरामपुर जिले में लिंगानुपात 973. कोरिया में 968, सरगुजा में 980 एवं सूरजपुर में 981 पायी जाती है।

Scanned with OKEN Scanner

(2) अध्ययन का उद्देश्य

अध्ययन क्षेत्र सरगुजा संभाग के 14 विधान सभा क्षेत्रों में मतदान के प्रति मतदाताओं के ज्ञान, और दृष्टिकोण का न्यायदर्शन (Sampling) विधि से मतदाताओं के चुनाव के प्रति उनके ज्ञान को जानने, वोट की महत्ता समझने निर्वाचन की प्रक्रिया की समझ का स्तर जानने जैसे पक्षों को सम्मिलित किया गया है। इस अध्ययन के निम्न उद्देश्य है–

(1) व्यक्ति को अपने देश की राजनीतिक, आर्थिक तथा सामाजिक समस्याओं को समझने की योग्यता का स्तर क्या है।
(2) लोकतंत्रीय प्रणाली में राजनीतिक दलों के वास्तिविक तथा प्रचार में अंतर समझने की क्षमता।
(3) व्यक्ति कें चिन्तन, मनन, तर्क तथा निर्णय करने की योग्यता स्तर का मापन।
(4) देश के लोगों के अपने अधिकार एवं कर्तव्यों की जागरूकता स्तर की जानकारी।
(5) उत्तरदायित्व को निभाने की क्षमता जैसे गुण कितने विद्यमान है, जानकारी प्राप्त करना है।

(3) शोध का विधितंत्रीय पक्ष

प्रस्तुत अध्ययन में पारंपरिक क्षेत्रीय उपागम (Traditional regional Approach) एवं व्यवहार उपागम (Behavioural approach) के आधार पर निर्वाचन के प्रति मतदाताओं के व्यवहार का विश्लेषण करने हेतु प्राथमिक ऑकड़ो के संकलन करने के लिए प्रश्नावली (Questionnaire) का प्रयोग किया गया है। क्षेत्र में निवासरत 560 चयनित मतदाताओं में पुरूष एवं महिला मतदाता, सामान्य श्रेणी, अनुसूचित जनजाति, अनु.जाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, को आनुपातिक प्रतिनिधित्व दिया गया है। उत्तरदाता नगरीय अर्द्धनगरीय व ग्रामीण क्षेत्रों के साथ आयु वर्ग के जैसे 18–25, 26–59 एवं 60 से अधिक वर्ष को सम्मिलित किया गया है।

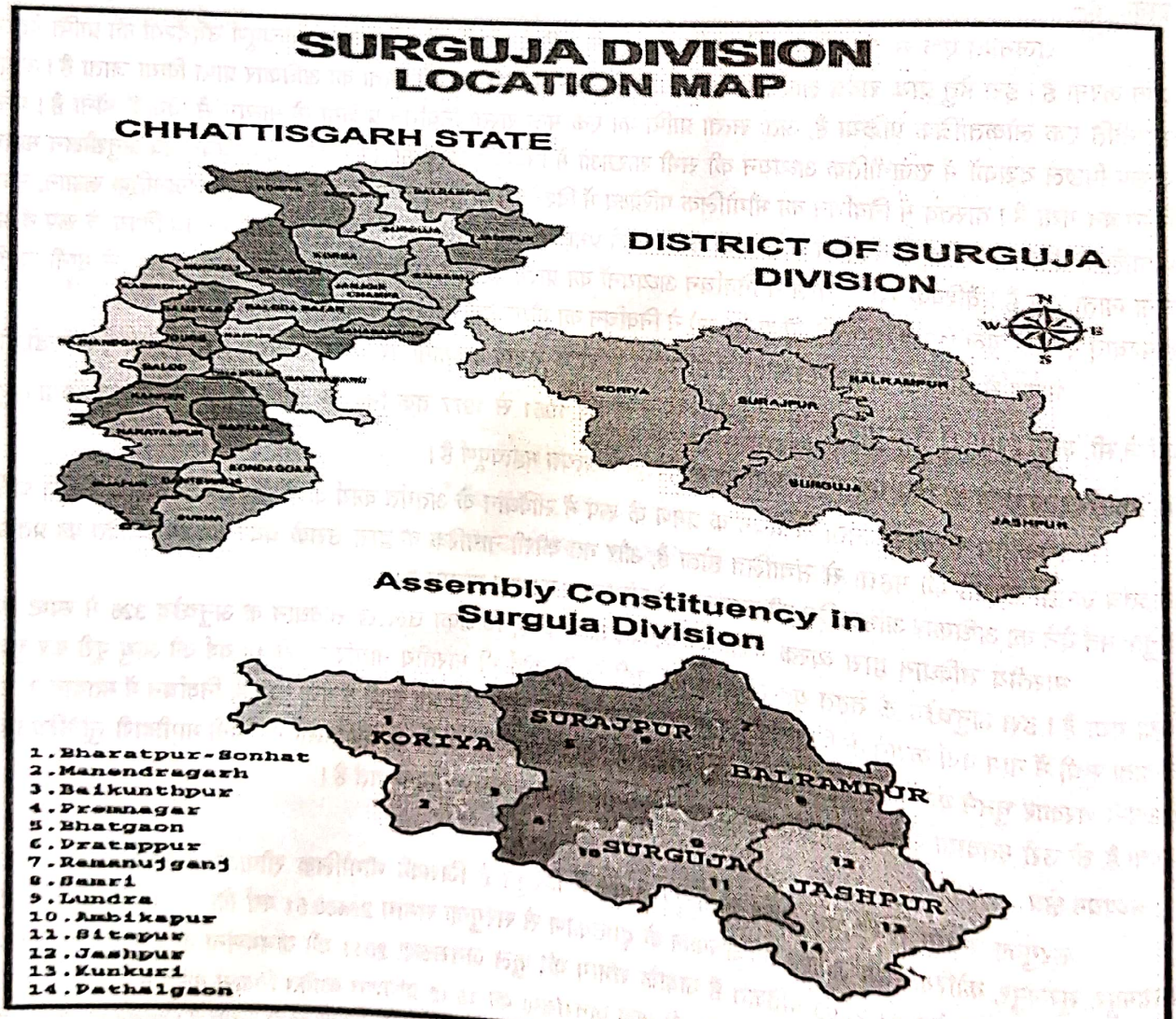

(4) सरगुजा संभाग में विगत विधान सभा निर्वाचन (2018) में प्राप्त मतों की संख्या

सरगुजा संभाग के पांच राजस्व जिलों में 2018 की स्थिति कुल 25,32,953 मतदाता पंजीकृत थे। जिनमें 13,68,891 पुरूष एवं 1 63,834 महिला एवं 35 अन्य की संख्या थी। संभाग के सूरजपुर जिले में सर्वाधिक 6,51,641 मतदाता एवं सरगुजा जिले में 6,01,4 मतदाता पंजीकृत है, जबकि कोरिया जिले में 4,57,289 जशपुर जिले में 4,32,038 एवं बलरामपुर जिले में 3,90,555 पंजीकृत थे।

Scanned with OKEN Scanner

सारणी क्रमांक-1

सरगुजा संभाग-छत्तीसगढ़ विधान सभा चुनाव 2018 में विधानसभावार

प्राप्त मतों की संख्या

क्र.	विधान सभा / जिला	प्राप्त विधिमान्य मतों की संख्या	नोटा	कुल प्राप्त मत (निविदत्त एवं अस्वीकृत मतों की संख्या सहित)	कुल पंजीकृत मतदाता	मतदान का प्रतिशत
1	भरतपुर–सोनहत	129815	3360	133212	161105	82.68
2	मनेन्द्रगढ़	95049	2106	97212	132743	73.23
3	बैकुण्ठपुर	126919	2630	129671	163441	79.33
	जिला कोरिया	351783	8096	360095	457289	78.75
4	प्रेमनगर	167477	4058	171533	215807	79.48
5	भटगांव	171392	981	172541	222493	77.55
6	प्रतापपुर	168638	5741	174629	213341	81.85
	जिला सूरजपुर	507507	10780	518703	651641	79.60
7	श्रामनुजगंज	150818	4055	154991	190824	81.22
8	समरी	156575	6250	163187	199731	81.70
	जिला बलरामपुर	307393	10305	318178	390555	81.40
9	लुण्ड्रा	149254	2626	151968	179425	84.69
10	अम्बिकापुर	178140	609	178848	232372	76.97
11	सीतापुर	148034	5189	153344	189633	80.86
	जिला सरगुजा	475428	8424	484160	601430	80.50
12	जशपुर	166061	4317	170829	221785	77.02
13	बुनकुरी	149302	2129	151726	194822	77.87
14	पत्थलगांव	168200	5159	173527	215038	80.69
	जिला जशपुर	483563	11605	496082	631645	78.53
सरगुजा संभाग		2125674	49210	2177218	2732560	79.68

नवंबर–दिसम्बर 2018 में छत्तीसगढ़ राज्य में विधानसभा का निर्वाचन शांतिपूर्ण सम्पन्न हुआ। इस चुनाव प्रक्रिया में सरगुजा संभाग के 79.68 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने बहुमूल्य मत का उपयोग किया, जो अत्यंत उत्साहजनक है, तथापि निर्वाचन आयोग स्वीप कार्यक्रम के तहत शत–प्रतिशत मतदान होने के लिए प्रतिबद्ध है।

(5) मतदाताओं के ज्ञान, और दृष्टिकोण का स्थानिक विश्लेषण

(i) मतदाता पंजीयन हेतु अपनायी गई प्रक्रिया के प्रति जागरूकता-

सरगुजा संभाग के उत्तरदाताओं से उनके द्वारा मतदाता पंजीयन हेतु 13.6 प्रतिशत ने जवाब दिया कि समय–समय पर आयोजित हाने वाले **मतदाता पंजीयन अभियान** में अपना पंजीयन कराया, जबकि 74.6 प्रतिशत ने इसके लिए **बूथ लेवल आफिसर (बी.एल.ओ.)** के माध्यम से, 9.8 प्रतिशत ने **मतदाता पंजीकरण केन्द्र** उपस्थित होकर 0.4 प्रतिशत ने किसी **राजनैतिक दल के सहयोग से जबकि 0.2 प्रतिशत ने सी.एस.ओ./संस्था** द्वारा मतदाता पंजीकरण कराने की बात स्वीकार की मतादाता सूची के विशेष पुनरीक्षण अभियानों में अपना नाम दर्ज कराने के मामले में सर्वाधिक बलरामपुर जिले में 48.7 प्रतिशत उत्तरदाता रहें, जबकि सूरजपुर जिले में न्यूनतम 5.3 प्रतिशत उत्तरदाता रहे।

विधानसभावार विश्लेषण करने पर स्पष्ट होता है कि बलरामपुर जिले के रामानुंजगंज विधानसभा के 50 प्रतिशत एवं सामरी विधानसभा के 42.5 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने विशेष अभियानों को अपने पंजीयन का आधार बताया है। इसी तरह सूरजपुर जिले के प्रतापपुर विधानसभा शुन्य प्रतिशत एवं प्रेमनगर विधानसभा के 7.5 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने विशेष अभियानों को मतदाता पंजीकरण के लिए जिम्मेदार बताया है।

Scanned with OKEN Scanner

मतदाता पंजीकरण के लिए बूथ लेवल ऑफिसर (बी.एल.ओ.) का माध्यम सबसे प्रभावकारी तरीका है, यह सारणी से स्पष्ट होता है, क्योंकि कुल 560 उत्तरदाताओं में से कोरिया जिले में 16.8 प्रतिशत, बलरामपुर जिले में 06.3 प्रतिशत, जशपुर जिले में 16.3 प्रतिशत सरगुजा जिले में 18.4 प्रतिशत एवं सूरजपुर जिले में 17 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने इसकी स्वीकारोक्ति की है। मतदाता पंजीकरण केन्द्र जाकर अपना नाम पंजीकृत कराने के मामले में जशपुर जिला के 2.7 प्रतिशत सूरजपुर जिला के 3.6 प्रतिशत कोरिया जिला के 2.0 प्रतिशत सरगुजा जिला के 0.7 प्रतिशत एवं बलरामपुर जिला के 0.9 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने स्वीकार किया है। एक भी उत्तरदाता ऐसा नहीं मिला जिसने राज्य निर्वाचन कार्यालय जाकर अपना नाम मतदाता सूची में पंजीकृत कराया है।

(ii) पंजीयन प्रक्रिया संबंधी अभिमत-

मतदाता सूची में नाम पंजीकृत कराने की प्रक्रिया कैसी है, इस प्रश्न पर चार विकल्प पर उत्तर पूछे गये थे। इनमें से 78.8 प्रतिशत ने कहा कि पंजीयन की प्रक्रिया सरल है, जबकि 18.8 प्रतिशत ने कहा कि यह न तो सरल ही है और न ही कठिन है। इसी तरह प्रक्रिया को 1.6 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कठिन माना जबकि 0.5 प्रतिशत को नहीं पता कि इसकी प्रक्रिया कैसी होती है। निःसंदेह इसकी प्रक्रिया नहीं जानने वाले लोगों ने स्वयं से इसका प्रयास नहीं किया होगा अपितु किसी की सहयोग से यह कार्य हुआ होगा।

इस संबंध में प्रत्येक जिलावार कुल उत्तरदाताओं का विश्लेषण करने पर पाया गया कि प्रक्रिया को सरल मानने वाले सूरजपुर जिले में 88.3 प्रतिशत कोरिया जिले में 81.7 प्रतिशत, सरगुजा जिले में 77.5 प्रतिशत, जशपुर जिले में 72.5 प्रतिशत, बलरामपुर जिले में 71.3 प्रतिशत तथा उत्तरदाता है। कोरिया जिलें में एक भी उत्तरदाता नहीं मिला जिसने कहा हो कि मतदाता पंजीयन की प्रक्रिया अत्यंत कठिन है। पंजीयन की प्रक्रिया के संबंध में कोई जानकारी नही रखने वाले उत्तरदाताओं की संख्या केवल 03 प्रक्रिया के संबंध में कोई जानकारी नही रखने वाले उत्तरदाताओं की संख्या केवल 03 है, जो कि कोरिया, सरगुजा तथा जशपुर जिले से रहे।

(iii) जिन उत्तरदाताओं ने मतदाता सूची में नाम जुड़वाने का स्वयं का प्रयास नहीं किया उनका अभिमत-

सरगुजा संभाग में 382 उत्तरदाताओं ने यह जवाब दिया था कि उन्होंने स्वयं को मतदाता के रूप में पंजीकृत करने के लिए प्रयास नहीं किया था, इसका स्पष्टीकरण चाहने के लिए 05 विकल्पों पर जानकारी प्राप्त की गयी, प्रथम **क्या आपको मतदाता सूची में नाम पंजीकृत कराने की प्रक्रिया का ज्ञान नहीं है-** संभाग के 48.17 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने इस विषय में स्वीकारोक्ति की, जबकि प्रक्रिया कठिन है कहने वाले 28 प्रतिशत रहे। निवास प्रमाणपत्र नहीं था कहने वाले 2.36 प्रतिशत रहे, रूचि नहीं है कहने वाले 15.5 प्रतिशत उत्तरदाता थे।

जिला स्तर पर विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि प्रक्रिया का ज्ञान नहीं रखने वाले सर्वाधिक 28.80 प्रतिशत कोरिया जिले में, 26 प्रतिशत सूरजपुर जिले में, 16.85 प्रतिशत सरगुजा जिले में एवं 12 प्रतिशत जशपुर जिले के उत्तरदाता है। प्रक्रिया कठिन है, कहने वाले 36.45 प्रतिशत कोरिया जिले के 37.38 प्रतिशत सूरजपुर जिले के, 09.35 प्रतिशत बलरामपुर जिले के, 04.67 प्रतिशत सरगुजा जिले के, एवं 12 प्रतिशत जशपुर जिले के उत्तरदाता थे।

(iv) मतदान करने का कारण-

उत्तरदाताओं से मतदान करने का कारण पूछा गया, प्रतिक्रिया में **'मतदान मेरा अधिकार है'** को सरगुजा संभाग के सर्वाधिक उत्तरदाताओं ने सहमति प्रदान की। इसके तहत संभाग के कुल 83.2 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने एवं जिला स्तर पर सर्वाधिक सूरजपुर जिले में 95.8 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने सहमति प्रदान की।

'मेरे मतदान से परिवर्तन आ सकता है', को संभाग स्तर पर दूसरा सर्वाधिक सहमति प्राप्त हुई। संभाग स्तर पर 80.9 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने हां में कहा इसमें सर्वाधिक उत्तरदाता सूरजपुर जिला (99.2 प्रतिशत) तथा कोरिया जिला (82.5 प्रतिशत) के है। **'निर्वाचन आयोग द्वारा स्वतंत्र एवं निष्पक्ष मतदान की सुविधा** प्रदान की जाती है' को संभाग स्तर पर कुल 79.3 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने सहमति प्रदान की है, ऐसा कहने वाले सर्वाधिक उत्तरदाता सूरजपुर जिले (98.3 प्रतिशत) के है। **मेरे पास नोटा का विकल्प था-** को संभाग में 51.1 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने हां में चिन्हित किया है। ऐसा कहने वाले सर्वाधिक उत्तरदाता सूरजपुर जिले (98.3 प्रतिशत) के है। **प्रत्याशी अच्छा था** ऐसा संभाग में 33.2 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा।

मतदान करने का कारण-क्रमशः

(v) वीवीपैट जागरूकता- वीवीपैट (वोटर वैरिफाइड पेपर ऑडिट ट्रेल) में एक मतदाता जो मत प्रणाली का उपयोग करता है को फीडबैक देने का एक तरीका है। एक वीवीपैट ई.वही.एम. मशीनों के लिए सत्यापन प्रणाली के रूप में होता है, जिससे मतदाताओं को यह सत्यापित करने के लिए सहुलियत दी जाती है कि उनका वोट सही ढंग से डाला गया है, तथा संभावित चुनाव धोखाधड़ी या मशीन की खराबी नहीं है, साथ ही इलेक्ट्रानिक परिणामों का ऑडिट करने के लिए साधन प्राप्त होता है। वीवीपैट की जानकारी के बारे में मतदाताओं से सवाल किया गया, जिसके उत्तर में कुल 74.3 प्रतिशत लोगों ने वीवीपैट को मतदान के दौरान देखा होना बताया।

(vi) नोटा जागरूकता- मतदाता - मतदाता को किसी राजनीतिक पार्टी का कोई उम्मीदवार पसंद न हो और वह उनमें से किसी

Scanned with OKEN Scanner

को भी अपना वोट देना नहीं चाहता हैं तो निर्वाचन आयोग ने इसकी व्यवस्था की है, वह चाहे तो नोटा का बटन दबा सकते हैं। नोटा का मतलब 'नान ऑफ द एबव' यानी इनमें से कोई नहीं है। अब चुनाव में व्यक्ति के पास एक विकल्प होता है कि 'इनमें से कोई नहीं' का बटन दबा सकता हैं। नोटा विकल्प के बारे में प्रश्न किया गया तो 74.6 प्रतिशत मतदाताओं ने नोटा विकल्प मतदान के दौरान देखने की बात कही। 10.4 प्रतिशत लोगों को इस सम्बन्ध में कोई जानकारी नहीं थी। जशपुर जिले के 89.2 प्रतिशत मतदाताओं ने इसकी जानकारी मतदान के दौरान प्राप्त होने की बात कही।

सारणी क्रमांक-3

मतदान करने का कारण

	विधान सभा/जिला					
1	भरतपुर-सोनहत	5.9%	7.1%	4.3%	4.6%	2.7%
2	मनेन्द्रगढ़	6.6%	6.1%	7.0%	6.8%	8.0%
3	बैकुण्ठपुर	6.8%	7.1%	6.4%	6.4%	3.6%
	कोरिया जिला	19.3%	20.4%	17.7%	17.9%	8.3%
4	प्रेमनगर	6.3%	6.3%	7.0%	6.8%	5.5%
5	भटगांव	7.0%	7.1%	7.1%	7.1%	3.0%
6	प्रतापपुर	6.6%	7.1%	7.1%	7.1%	3.9%
	सूरजपुर जिला	19.8%	20.5%	21.3%	21.3%	12.5%
7	रामानुजगंज	5.4%	5.5%	5.4%	4.3%	0.4%
8	सामरी	6.1%	4.5%	5.3%	4.6%	4.1%
	बलरामपुर जिला	11.4%	10.0%	10.5%	8.5%	4.5%
9	लुण्ड्रा	5.0%	5.0%	5.0%	5.0%	3.6%
10	अम्बिकापुर	6.3%	6.3%	6.3%	6.3%	8.0%
11	सीतापुर	6.4%	6.4%	6.4%	6.4%	2.9%
	सरगुजा जिला	17.7%	17.7%	17.7%	17.7%	8.4%
12	जशपुर	7.0%	7.0%	7.0%	7.0%	2.7%
13	कुनकुरी	3.4%	3.4%	3.4%	3.4%	0.2%
14	पत्थलगांव	3.8%	4.3%	3.4%	3.4%	0.7%
	जशपुर जिला	14.1%	14.6%	13.8%	13.8%	3.6%
	सरगुजा संभाग	82.3%	83.2%	80.9%	79.3%	33.2%

	विधान सभा/जिला							
1	भरतपुर-सोनहत	2.5%	2.1%	2.5%	5.0%	5.0%	0.0%	7.1%
2	मनेन्द्रगढ़	0.0%	0.0%	0.0%	0.0%	0.5%	0.5%	4.6%
3	बैकुण्ठपुर	3.6%	3.6%	3.6%	0.0%	0.0%	0.0%	0.2%
	कोरिया जिला	6.1%	5.7%	6.1%	5.0%	5.5%	0.5%	12.0%
4	प्रेमनगर	6.1%	6.1%	6.8%	7.0%	0.4%	0.5%	7.0%
5	भटगांव	3.8%	2.1%	2.1%	2.5%	4.1%	4.1%	7.0%
6	प्रतापपुर	3.9%	3.9%	3.9%	3.9%	3.4%	3.4%	7.1%
	सूरजपुर जिला	13.8%	11.1%	11.8%	13.4%	7.9%	8.0%	21.1%
7	रामानुजगंज	0.4%	0.4%	5.0%	5.5%	4.6%	4.8%	5.5%
8	सामरी	3.8%	3.8%	6.1%	6.1%	5.5%	5.5%	6.1%
	बलरामपुर जिला	4.1%	4.1%	11.1%	11.6%	10.2%	10.4%	11.6%
9	लुण्ड्रा	3.2%	2.0%	3.6%	0.2%	2.7%	2.7%	0.2%
10	अम्बिकापुर	0.0%	0.0%	1.6%	1.4%	1.6%	1.8%	6.1%
11	सीतापुर	2.7%	4.1%	4.3%	0.2%	6.1%	5.7%	0.2%
	सरगुजा जिला	5.9%	6.1%	9.5%	1.8%	10.4%	10.0%	6.4%
12	जशपुर	3.8%	2.0%	0.4%	0.0%	3.4%	3.4%	0.0%
13	कुनकुरी	0.2%	0.2%	0.2%	0.0%	0.4%	1.8%	0.0%
14	पत्थलगांव	0.4%	0.9%	0.5%	0.0%	0.4%	0.7%	0.0%
	जशपुर जिला	4.5%	3.0%	1.1%	0.0%	4.1%	5.9%	0.0%
	सरगुजा संभाग	31.6%	30.0%	39.5%	32.7%	38.8%	34.8%	51.1%

(vii) **मतपत्रों की गिनती की विश्वसनीयता-** क्या हर एक मत गिना जाता है तो इसके जवाब में 50 प्रतिशत मतदाता इससे सहमत थे एवं 44.6 प्रतिशत मतदाता इससे पूर्णत सहमत थे। इस प्रकार सहमत मतदाताओं का कुल प्रतिशत 94.6 प्रतिशत पाया गया जो की भारत की चुनाव प्रक्रिया में आमजन के दृढ विश्वास को दर्शाता है।

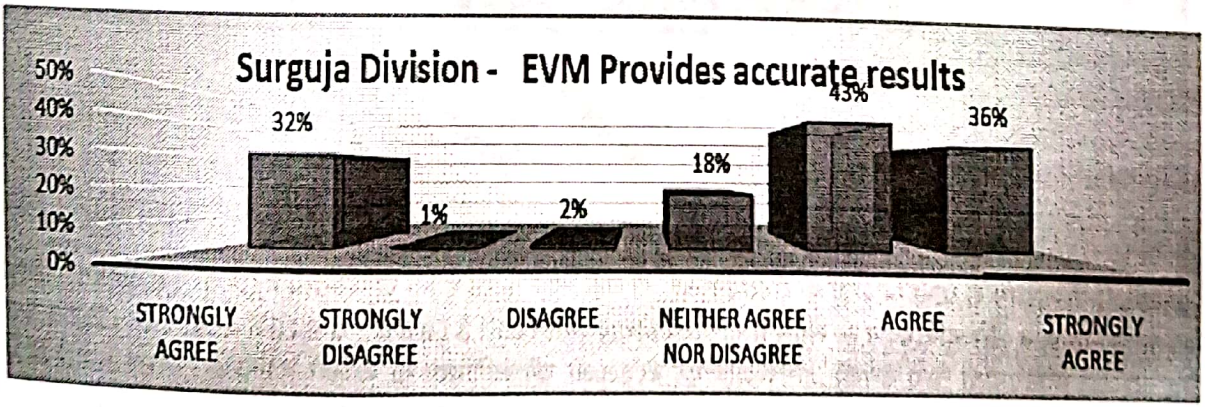

(viii) **मतदान को अनिवार्य किया जाना-** अनिवार्य मतदान का अर्थ है, कानून के अनुसार किसी चुनाव में मतदाता को अपना मत देना या मतदान केन्द्र पर उपस्थित होना अनिवार्य है। यदि कोई वैध मतदाता, मतदान केन्द्र पहुंचकर अपना मत नहीं देता तो उसे पहले

Scanned with OKEN Scanner

से घोषित कुछ दण्ड का भागी बनाया जा सकता है। भारत में अभी **मतदान को अनिवार्य नहीं है।** वर्तमान समय में 33 देशों में मतदान करना जरूरी है। कई देशों में मतदान ना करने पर दंड का प्रावधान है। इस पर मतदाताओं का मत जानने का प्रयास किया गया। इसके जवाब में 32 प्रतिशत मतदाता इससे पूर्णतः सहमत थे एवं 42.9 प्रतिशत मतदाता इससे सहमत थे। इस प्रकार सहमत मतदाताओं का कुल प्रतिशत 74.9 प्रतिशत पाया गया जो की भारत की चुनाव प्रक्रिया में आमजन के भरोसे को दर्शाता है।

(ix) **निर्वाचन प्रक्रिया की निष्पक्षता**- भारत देश की निर्वाचन प्रक्रिया की निष्पक्षता एवं स्वतंत्रता के विषय में किया गया। इसके जवाब में 31.6 प्रतिशत मतदाता इससे पूर्णतः सहमत थे एवं 45.5 प्रतिशत मतदाता इससे सहमत थे। इस प्रकार सहमत मतदाताओं का कुल प्रतिशत 77.1 प्रतिशत पाया यगा जो की भारत की चुनाव प्रक्रिया में आमजन के भरोसे को दर्शाता है एवं यह संदेश देता है कि भारत की निर्वाचन प्रक्रिया निष्पक्ष एवं स्वतंत्र है।

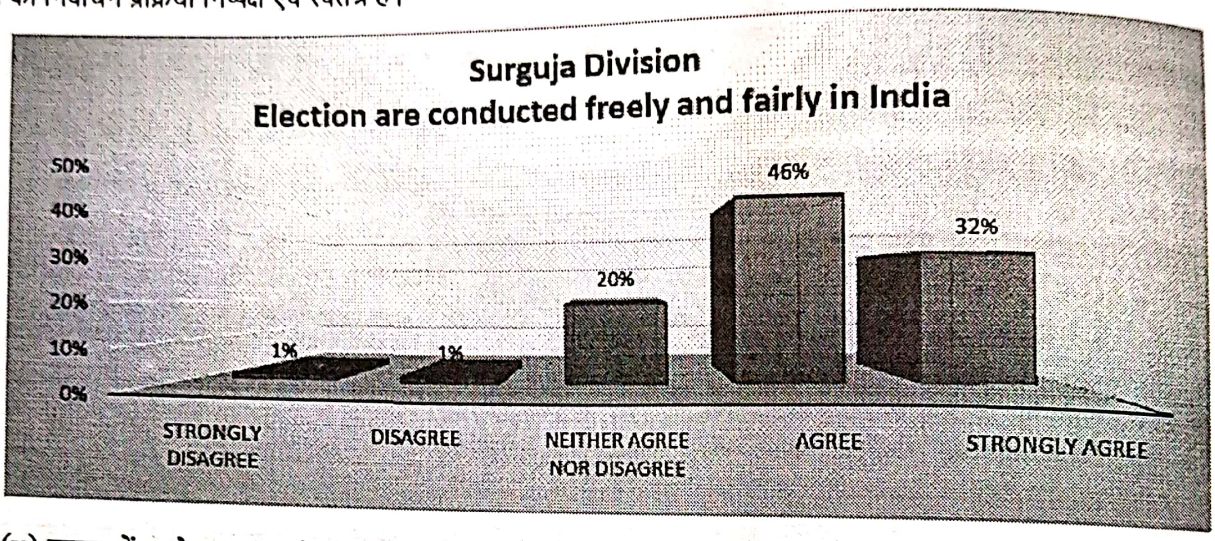

(x) **चुनाव में बढ़ते धन-बल के प्रभाव**- राजनीति और चुनावों में धन के बढ़ते इस्तेमाल से निर्वाचन प्रक्रिया में जनसामान्य क लिए अवसर कम होते जा रहे हैं और इससे निबटने के लिए चुनाव सुधार की जरूरत है। चुनाव में बढ़ते धन–बल के प्रभाव को लेक पूछे गए प्रश्न में कुल 45.9 प्रतिशत मतदाता इस बात से सहमत एवं पूर्ण सहमत थे की चुनाव में धन–बल का प्रयोग बढ़ रहा है। 26. प्रतिशत मतदाताओं ने न इसका समर्थन किया न ही इसका विरोध किया।

(xi) **मीडिया के प्रति विश्वसनीयता**- चुनाव और राजनीति के खबरों पर विश्वास करने वाले माध्यमों में सर्वाधिक सशक्त माध्य टी.व्ही. है जिसे 50.4 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने विश्वास व्यक्त किया है। समाचार पत्रों एवं पत्रिकाओं पर भी संभाग के 21.3 प्रतिश मतदाता उत्तरदाता लोगों ने भी अपना विश्वास दिखाया है। इसके साथ ही साथ परिवार एवं मित्रों की सूचना को 20.4 प्रतिशत रेडियो को 0.7 प्रतिशत ने, इंटरनेट को 3.9 प्रतिशत तथा मोबाईल फोन को 1.3 प्रतिशत ने विश्वासनीय माध्यम बताया है।

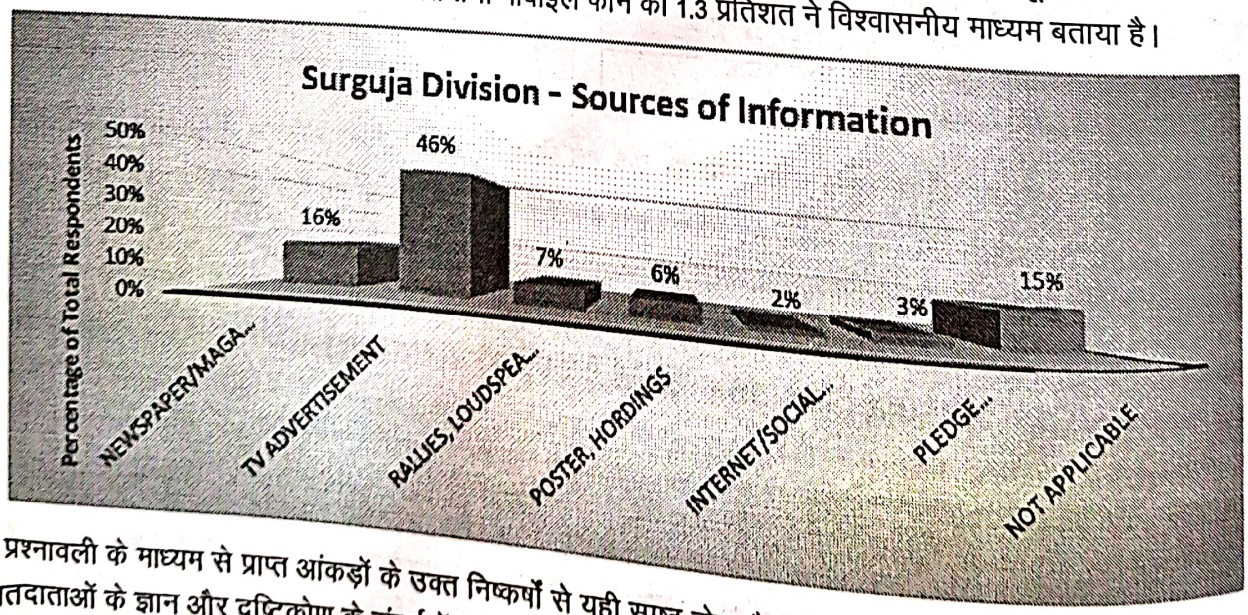

प्रश्नावली के माध्यम से प्राप्त आंकड़ों के उक्त निष्कर्षों से यही स्पष्ट होता है कि जनजातीय बहुत सरगुजा संभाग में निर्वाचन प्रति मतदाताओं के ज्ञान और दृष्टिकोण के संदर्भ में परिपक्व विचार सामने आते है। इस क्षेत्र में न सिर्फ मतदान का प्रतिशत उच्च रह है अपितु मतदाता पंजीयन के लिए उनकी जागरूकता एवं बी.एल.ओ. की सक्रियता भी काबिले तारिफ है। व्यस्क नागरिकों के बी लिस्ट में नाम पंजीयन कराने की प्रक्रिया से भी सहज वाकिफ है। देश के एक सजग नागरिक के रूप में मतदान के प्रति उनके व्यवह एवं सोंच के विश्लेषण में पाया गया कि "मतदान मेरा अधिकार एवं कर्त्तव्य है" तथा मेरे मतदान से परिवर्तन आयेगा, यह क लोकतंत्र की परिपक्वता का द्योतक है। इसी तरह व्ही.व्ही. पैट एवं नोटा की जानकारी का होना, मतदान को अनिवार्य किया जा

Scanned with OKEN Scanner

चाहिए विषय पर भी नागरिकों में सकारात्मक उत्तर दिया जाना भी क्षेत्र में निर्वाचन के प्रति सजगता एवं लोकतंत्र के प्रति आस्था दर्शाता है।

भारतीय चुनाव प्रणाली को घन बल प्रभावित करता है। इसमें 72.5 प्रतिशत लोगों की स्वीकारोक्ति निर्वाचन प्रक्रिया में अभी भी सुधार की आवश्यकता को रेखांकित करता है। चुनाव की खबरों पर सबसे अधिक टी.वी. की खबरों तथा समाचार पत्र, पत्रिकाओं से लोगों का प्रभावित होना इन दोनो को देश के प्रति जिम्मेदारी का अहसास कराता है। निश्चय ही मीडिया के इन दोनो माध्यमों को सही खबरों का प्रसारण कर लोकतंत्र को बचाने में अपनी भूमिका का निर्वहन करना चाहिए।

References-

Siegfried, A. (1913) Tableau Politique de la France de I, QUESTE, A, Colin, Paris.

Goguel, F. (1951) Geographie des Election Francaise de 1870 a 1951 Armand Colin, Paris.

Kish, G. (1953) Some Aspect of the Regional Political Geography of Italy, Annals Association of American Geographers, Vol-43, pp 178

Amani, K.Z. (1970) Election in Haryana, India: A study in Electrol Geography, THE GEROGRAPHER, Vol-17, pp 27-40

अधिकारी, सुदीप्त एवं रतन कुमार (2011) राजनीतिक भूगोल, शारदा पुस्तक भवन, प्रयागराज, पृष्ठ–394–428

दीक्षित आर.डी. (2000) राजनीतिक भूगोल समसामयिक परिदृष्टि, प्रेंटिस हाल ऑफ इंडिया, नई दिल्ली पृष्ठ–157

तिवारी, आर.सी. (2017) राजनीतिक भूगोल, प्रवालिका पब्लिकेशन, इलाहाबाद, पृष्ठ–215–228

लेखक परिचय-

सहायक प्राध्यापक भूगोल एवं कार्यक्रम समन्वयक

संत गहिरा गुरू विश्वविद्यालय सरगुजा अम्बिकापुर

छ.ग.

***

Scanned with OKEN Scanner